वर्ष 2003 के प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कारों की घोषणा

सरकार ने आज दिनांक 14/08/2003 को केन्द्र और राज्य सरकारों के विभागीय उपक्रमों में कार्यरत 38 कर्मचारियों/कामगारों के लिए उनके विशिष्ट कार्यनिष्पादन, अभिनव कौशल, उत्पादकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान तथा अद्वितीय साहस और सूझ-बूझ के प्रदर्शन हेतु वर्ष 2003 के प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कारों के घोषणा की।

इस वर्ष श्रम रत्न पुरस्कार के लिए पांच कामगार की एक टीम की चयनित हुई। श्रम भूषण पुरस्कार के लिए दो प्रविष्टियां चयनित हुई। इनके अतिरिक्त श्रम वीर के लिए छह प्रविष्टियां और श्रम श्री/श्रम देवी पुरस्कारों के लिए आठ प्रविष्टियां चयनित हुईं। यद्यपि, श्रम पुरस्कारों की कुल संख्या केवल 17 है, पुरस्कार पाने वाले कामगार 38 हैं (जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं), क्योंकि कुछ पुरस्कार कामगारों के समूहों को दिए गए जिनमें एक से अधिक व्यक्ति थे।

श्रम रत्न

श्रम पुरस्कारों में यह सर्वोच्च (संख्या में एक) पुरस्कार है और इसमें 2,00,000 रु. नकद राशि के साथ एक 'सनद' प्रदान किया जाता है। श्रम रत्न पुरस्कार से सम्मानित हैं : भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई से श्री महेन्द्र कुमार गुलाटी, रामजी रंगारी, सुनील कुमार सिंह, संदीप कुमार बोरकर और मुबारक अली (संयुक्त रूप से)।

श्रम भूषण

श्रम भूषण पुरस्कार की कुल संख्या तीन है (योजना के अनुसार दो और श्रम रत्न के स्थान पर तीसरा)। प्रत्येक में 1,00,000 रु. का नकद पुरस्कार और एक सनद प्रदान किया जाता है। श्रम भूषण पुरस्कार पाने वाले इस प्रकार हैं- भेल, बंगलौर के श्री सी. हनुमंतैय्या, एस. तितेश और एन. राजशेखर (संयुक्त रूप से) और श्री दक्षिण रेलवे, कुन्नूर के श्री बी.यू. जयाचंद्रन उन्नीथन।

श्रम वीर

60,000 रु. नकद और एक 'सनद' वाले छह श्रम वीर पुरस्कार दिए गए। श्रम वीर पुरस्कार पाने वाले हैं: न्यूक्लीयर फ्यूल काम्लैक्स हैदराबाद से श्री गिरामोनी अंजैय्या, पोथूगंथी नारायण रेड्डी, वक्कालगद्दा मनोहर, सुरपनेनी सत्यनारायण, नीलम रामचंद्र, मंधुला लींगैय्या और पुट्टी वीरा

वेंकटेश्वरलु (संयुक्त रूप से); भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई के श्री सी.एल. वर्मा, पी.के. तेम्भुरकर, ई. मिंज, डी.आई. राव और वेंकटेश्वरल्लू (संयुक्त रूप से); भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, ट्रांबे, मुंबई के श्री गोविन्द स्वामी रामदास; इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई के श्री टी.बी. शेख बागवदीन; बोकारो स्टील प्लांट, बोकारो के श्री मधुरेंद्र किशोर और भेल, बंगलौर के श्री भीमप्पा पी. दशयाल संयुक्त रूप से और नैवेली, त्रिची सलेम, नैवेली के और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पांडिचेरी इकाइयों से क्रमशः श्री मुनीसामी राजामनीक्कम, सी. लक्ष्मनन, डी. राजा, समराज नागराजन और एस. के. वेकटचलम (संयुक्त रूप से); ।

श्रम श्री / श्रम देवी

श्रम श्री/श्रम देवी पुरस्कार (संख्या में आठ) में 40,000 रु. नकद और एक सनद प्रदान किया जाता है। एचएमटी, बंगलौर की दो महिला कर्मचारियों श्रीमती डी. गिरिजाम्मा और डीजल कॉम्पोनेंट वर्क्स, पटियाला (रेलवे) की श्रीमती हरजीत कौर, को श्रम देवी पुरस्कार के लिए चुना गया। इनके अतिरिक्त श्रम वीर पुरस्कारों के लिए छह प्रविष्टियां चुनी गईं। ये हैं: भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बंगलौर के श्री सैत पन्नीर सेल्वम; आईटीआई, मनकापुर के श्री सी.पी. द्विवेदी, भेल, हरिद्वार के श्री मांगी लाल, हिंदुस्तान पेपर कारपोरेशन लिमिटेड, कागजनगर, असम के श्री रतीश चंद्र मिश्रा; ट्रैक मशीन्स यूनिट, अराकोणम, दक्षिण रेलवे के श्री ए. गोविंदराजन और पानीपत रिफाइनरी, आईओसी, पानीपत, के श्री शेन मेहदी।